आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के लिये पी डी (PD) टूलकिट

पोषण, स्वच्छता, महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण और बाल संरक्षण में सुधार के लिए
समुदाय से और समुदाय के लिए स्थानीय उपलब्ध समाधान हेतु PD मार्गदर्शिका

चरण- 2

चरण- 3

चरण- 1

चरण- 5

चरण- 4

german cooperation
DEUTSCHE ZUSAMMENARBEIT

Implemented by
giz Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH

महिला एवं बाल विकास विभाग
मध्यप्रदेश

Published by:
Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH
As a federally owned enterprise, GIZ supports the German government in achieving its objectives in the field of international cooperation for sustainable development

Registered offices:
Bonn and Eschborn, Germany

Securing Nutrition, Enhancing Resilience (SENU) Project
A2/18, Safdarjung Enclave
New Delhi 110 029 India
T: +91 11 4949 5353
F: + 91 11 4949 5391
E: info@giz.de
I: www.giz.de

Responsible:
Dr. Anika Reinbott, Project Director, SENU India, GIZ

Author:
Bhavana Nagar, Consultant

Review:
Dr Nisha Jain, Information Education Communication (IEC) team,
Department of Women and Child Development, Madhya Pradesh
Rekha Patel, Supervisor, Chhegaomakhan, Khandwa, Madhya Pradesh
Diksha Choure, Aanganwadi Worker, Madhya Pradesh
Gunjan Shuryavanshi, Aanganwadi Worker, Madhya Pradesh
Hemlata Rathore, Aanganwadi Worker, Madhya Pradesh
Babita Birla, Aanganwadi Worker, Madhya Pradesh
Manisha Masani, Aanganwadi Worker, Madhya Pradesh
Mamta Surage, Aanganwadi Worker, Madhya Pradesh
Pooja Chouhan, Aanganwadi Worker, Madhya Pradesh
Rajkumari Dixit, Aanganwadi Worker, Madhya Pradesh
Kiran Patel, Aanganwadi Worker, Madhya Pradesh
Roshni Jha, Lead Trainer Nutrition, SPANDAN, Khandwa, Madhya Pradesh
Seema Kurup, Consultant
Nadine Bader, Advisor, SENU India, GIZ
Avani Verma, Advisor, SENU India, GIZ
Hanif Shaikh, Advisor, SENU India, GIZ
Sharmili Basu, Welthungerhilfe
Mohsin Khan, Welthungerhilfe

Photo credits/sources:
©GIZ/SENU

Design and layout:
Crossed Design

GIZ is responsible for the content of this publication

On behalf of the German Federal Ministry for Economic Cooperation and Development (BMZ)

November 2024

सुरेश तोमर
संयुक्त संचालक

संचालनालय महिला एवं बाल विकास
विजयाराजे वात्सल्य भवन, 28–ए,
अरेरा हिल, भोपाल (मध्यप्रदेश) 462011
E-mail : commicds@mp.gov.in,
sstomar.wcd@mp.gov.in
दूरभाष : +91 755-2550910
Fax : +91 755-2550912

अर्ध शास. पत्र क्रमांक 3894
दिनांक 27/11/2024

प्राक्कथन

सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन प्रक्रिया व्यक्ति, समुदाय या समाज में सकारात्मक व्यवहारों/आदतों को अपनाने और उनको सतत् जारी रखने में सहयोग करती है। इसीलिए महिला बाल विकास विभाग मध्यप्रदेश द्वारा वर्ष 2023 में जीआईजेड इंडिया के सहयोग से राज्य की सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन (एसबीसी) रणनीति विकसित की है।

इसी क्रम में जीआईजेड ने पॉजिटिव डिविएशन टूलकिट विकसित की है। प्रदेश के खंडवा और बड़वानी जिलों में, पोषण से सम्बंधित स्थानीय अनकॉमन या अलग/अनूठे व्यवहार को जानने के लिये एक व्यापक शोध की गयी और इससे मिली सीखों के आधार पर इसे विकसित किया गया है। यह टूलकिट आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की ज़रूरतों के हिसाब से तैयार करने की गयी है ताकि उनके दैनिक क्रियाकलापों में इसे शामिल किया जा सके।

पॉजिटिव डेवियन्स टूलकिट कुपोषण, महिला सशक्तिकरण या बाल सुरक्षा से संबंधित जटिल समस्याओं के समाधान के लिए पूर्व से उपलब्ध स्थानीय समाधानों को अपनाने पर जोर देता है। यह समुदाय द्वारा ही संचालित होने वाली एक प्रक्रिया है जिसका आशय ऐसे व्यक्तियों, परिवारों, घरों या समुदायों की पहचान करना है, जो अपने साथियों की तुलना में ज्यादा विकसित या बेहतर स्थिति में हैं, जबकि वे अपने साथियों के समान ही सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों में जीवन यापन करते हैं।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, अन्य सम्बंधित विभाग और गैर-सरकारी संस्थाओं के क्षेत्रीय कार्यकर्त्ता द्वारा पॉजिटिव डेवियन्स टूल अपना कर, उनके नियमित कार्यों जैसे कि छोटे बच्चों और गर्भवती/स्तनपान कराने वाली माताओं के बेहतर पोषण, ग्राम स्वास्थ्य और पोषण दिवस (वीएचएनडी) के दौरान युवा माताओं की उपस्थिति बढ़ाने, एनीमिया प्रबंधन या बाल विवाह की रोकथाम आदि के लिए समुदाय के सदस्यों के बीच से स्थानीय और स्थायी समाधान खोजने की अपार संभावना है।

मैं पॉजिटिव डेवियन्स टूलकिट के प्रभावी उपयोग के लिए शुभकामनाये देता हूँ।

सुरेश तोमर
संयुक्त संचालक,
महिला बाल विकास,
मध्यप्रदेश

नामः

पताः

नोटः

अनुक्रमणिका

1. पॉज़िटिव डिवीयंस क्या है

2. आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को PD टूल कैसे मदद करेगा

3. पॉज़िटिव डिवीयंस टूल का उपयोग

4. PD व्यक्ति/ परिवार (पॉज़िटिव डिवीयंट)

5. PD व्यक्ति/परिवार में सकारात्मक या अनकॉमन व्यवहार

6. पॉज़िटिव डिवीयंस करने के पाँच चरण

7. आइए जानते है कि पॉज़िटिव डिवीयंस पर चरणबद्ध तरीक़े से कैसे काम करें

चरण- 1 समस्या और अपेक्षित परिणाम तय करना
- (क) चरण- 1 की प्रक्रिया
- (ख) चरण- 1 का उदाहरण
- (ग) PD के पहले चरण पर काम करने के लिए क्या करें और क्या ना करें

चरण- 2 PD व्यक्ति या समूह/ परिवार का चिन्हांकन
- (क) चरण- 2 की प्रक्रिया
- (ख) चरण- 2 का उदाहरण
- (ग) PD के दूसरे चरण पर काम करने के लिए क्या करें और क्या ना करें

चरण- 3 अनकॉमन और सकारात्मक व्यवहारों की खोज
- (क) चरण- 3 की प्रक्रिया
- (ख) PD परिवार के घर जाने से पहले उनसे पूछे जाने वाले और अवलोकन किया जाने वाले सवालों का उदाहरण
- (ग) PD के तीसरे चरण पर काम करने के लिए क्या करें और क्या ना करें

चरण- 4 सकारात्मक व्यवहारों को दूसरों द्वारा अपनाये जाने की योजना
- (क) चरण- 4 की प्रक्रिया
- (ख) चरण- 4 का उदाहरण
- (ग) PD के चौथे चरण पर काम करने के लिए क्या करें और क्या ना करें

चरण- 5 प्रगति को मापना और परिणामों का मूल्यांकन
- (क) चरण- 5 की प्रक्रिया
- (ख) चरण- 5 का उदाहरण
- (ग) PD के पाँचवे चरण पर काम करने के लिए क्या करें और क्या ना करें

सकारात्मकता की ओर पॉज़िटिव डिवीयंस (PD)

1. पॉज़िटिव डिवीयंस क्या है

पॉज़िटिव डिवीयंस (PD) सामाजिक व्यवहार परिवर्तन को लागू करने का एक प्रभावी टूल/ तरीक़ा है। यह हमारे ही आस पड़ोस में रहने वाले परिवारों के **अलग (अनकॉमन) और सकारात्मक व्यवहारों** को सामने लाने में मदद करता है। जिसे अपनाकर समुदाय बेहतर जीवन की ओर जा सकता है।

"अलग (अनकॉमन) का मतलब- ऐसे व्यवहार जो आम तौर पर देखने को नहीं मिलते और कुछ परिवार उन्हें अपनाते है। जैसे पिता अपनी बेटी को नियमित वज़न कराने आंगनवाड़ी केंद्र ले जाता है।"

पॉज़िटिव डिवीयंस टूल/ तरीक़े से निकले समाधान स्थानीय होते है इसलिए लोग इन्हें आसानी से अपना सकते हैं।

2. आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को PD टूल कैसे मदद करेगा

- PD टूल आंगनवाड़ी केंद्र से दी जाने वाली सभी सेवाओं को बेहतर रूप से लागू करने में मदद करता है।
- PD टूल आंगनवाड़ी की गतिविधियों में समुदाय की भागीदारी बढ़ाने और एक दूसरे से सीखने में मदद करता है।
- आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं में अवलोकन और संचार क्षमताओं को बढ़ाता है।
- आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और समुदाय के बीच रिश्तों को मज़बूत करता है।
- गृह भ्रमण को प्रभावी बनाने में मदद करता है।

3. पॉज़िटिव डिवीयंस टूल का उपयोग

आंगनवाड़ी केंद्र की सेवा से सम्बंधित किसी भी विषय पर काम करने के लिए PD टूल का उपयोग किया जा सकता है। जैसे–

1. पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता,

2. बाल संरक्षण,

3. महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण आदि।

विषय/ समस्याओं का चुनाव करते समय ध्यान रखें कि उस समस्या से संबंधित आँकड़े/ जानकारी उपलब्ध हो सके।

ध्यान दें

किसी भी प्रकार के व्यवहार परिवर्तन के लिए PD टूल का उपयोग किया जा सकता है।

4. PD व्यक्ति/ परिवार (पॉज़िटिव डिवीयंट)

जहां समस्या सबसे अधिक है उन्हीं के बीच में से ऐसे व्यक्ति या परिवार जिन्होंने कुछ सकारात्मक या प्रभावी व्यवहारों को अपनाकर चिन्हित समस्या को दूर किया हो, PD व्यक्ति/ परिवार कहे जाते हैं।

PD व्यक्ति/परिवार की सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियाँ समस्या से जूझ रहे व्यक्तियों/परिवारों जैसी ही होती है और बिना किसी अतिरिक्त संसाधन के कुछ सकारात्मक/प्रभावी व्यवहारों को अपनाकर वे समस्या से बाहर आ पाते है, जबकि उनके आस-पास रहने वाले व्यक्ति/परिवार अभी भी उसी समस्या का सामना कर रहे होते हैं।

ऊपर लिखी बातों को ध्यान में रखते हुए, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता चुनी गई समस्या से संबंधित उपलब्ध आँकड़े या जानकारी के आधार पर PD व्यक्ति/परिवार की पहचान करती है।

आइये इसे नीचे दिये गये उदाहरण की मदद से समझते हैं-

1. यदि चुनी गई समस्या बच्चों में कुपोषण है तो-

उदाहरण: रमेश और माया का परिवार मज़दूरी करने वाले परिवारों में से एक परिवार हैं। रमेश और माया के मोहल्ले में कई बच्चे कुपोषित हैं। रमेश और माया की दो बेटियाँ और एक बेटा है। तीनों बच्चे स्वस्थ हैं।

रमेश और माया जैसे परिवार को PD परिवार के रूप में चिह्नांकित किया जाएगा जिनके बच्चे सुपोषित और स्वस्थ हैं और उनके बच्चों में कुपोषण की समस्या कभी नहीं हुई। जबकि उनके आसपास के परिवारों में कई बच्चे कुपोषित हैं।

2. यदि चुनी गई समस्या किशोरियों द्वारा IFA (आयरन फ़ालिक एसिड) की गोलियाँ नियमित रूप से नहीं खाना है तो-

उदाहरण: सरिता का परिवार खेतिहर मज़दूरी करने वाले परिवारों में से एक परिवार है। सरिता के मोहल्ले में कई किशोरियों ने स्कूल जाना छोड़ दिया है और कुछ किशोरियाँ एनीमिया की शिकार हैं। सरिता की दो बेटियाँ हैं और दोनों बेटियां नियमित स्कूल जाती हैं और स्वस्थ हैं।

सरिता और उसके जैसे परिवार PD परिवार होंगे जहां रहने वाली किशोरियाँ नियमित रूप से IFA की गोलियों का सेवन करती हैं। जबकि उनके आस पास के परिवारों में रहने वाली किशोरियां IFA की गोलियों का नियमित सेवन नहीं करती हैं।

5. PD व्यक्ति/परिवार में सकारात्मक या अनकॉमन व्यवहार

जिन व्यवहारों को अपनाकर PD व्यक्ति/परिवार समस्या से बाहर आ सके हैं उन्हें सकारात्मक/प्रभावी और अनकॉमन व्यवहार कहा जाता है। यह जरुरी नहीं है कि PD परिवार आदर्श परिवार हों और सभी अपेक्षित व्यवहारों को अपनाते हों।

दिए गये उदाहरण से समझते है:
मान लीजिए कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने किशोरियों द्वारा नियमित रूप से IFA गोलियाँ नहीं खाने की समस्या को PD पर काम करने के लिए चुना, तो वह सरिता के परिवार को PD परिवार के रूप में चिह्नांकित करेगी क्योंकि उसके परिवार में किशोरियाँ नियमित रूप से IFA की गोलियों का सेवन करती हैं।

अब आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सरिता के परिवार में गृह भ्रमण करके परिवार के सदस्यों से बातचीत करेगी, उनकी दिनचर्या देखेगी, उनके व्यवहारों का बारीकी से अवलोकन करेगी और उन व्यवहारों की पहचान करेगी जिनको अपनाने से सरिता के परिवार में किशोरियाँ नियमित रूप से IFA का सेवन कर पा रही हैं।

ध्यान दें

कई बार सेवा प्रदाता ऐसे व्यक्ति/ परिवार और उनके द्वारा अपनाए गए सकारात्मक व्यवहारों को अनदेखा कर देते हैं जो मुश्किल समस्याओं के आसान उपाए हैं।

उदाहरण

उदाहरण स्वरूप सरिता के यहाँ किशोरी और उसके परिवार द्वारा अपनाये जाने वाले सकारात्मक/प्रभावी और अनूठे /अनकॉमन व्यवहार निम्नानुसार हो सकते हैं।

समस्या: किशोरियाँ नियमित IFA की गोलियाँ नहीं खाती है।

सकारात्मक/प्रभावी या अनकॉमन व्यवहार हो सकते हैं-

- किशोरी नियमित स्कूल जाती है।
- किशोरी को IFA के सेवन के लाभ पता है।
- किशोरी रात के खाने के बाद IFA खाती है और साथ में खट्टा (जैसे लिंबू, अमला, इमली) भी खाती है।
- किशोरी नियमित आंगनवाड़ी केंद्र पर जाती है।
- किशोरी अपने पोषण के प्रति जागरूक है।
- किशोरी ने घर की दीवार पर कैलेंडर लगाया है जिस पर वह IFA खाने के बाद निशान लगाती है।
- माँ हमेशा बेटी को IFA खाने की याद दिलाती/प्रोत्साहित करती है।
- परिवार में महिलाओं के पोषण के बारे में बातचीत होती है।
- पिता अपनी बेटी के स्वास्थ्य पर ध्यान देता हैं।
- अन्य

इस प्रकार चुनी गई समस्या से सम्बंधित कई सकारात्मक/प्रभावी और अनकॉमन व्यवहारों को खोजा जा सकता है जो समस्याग्रस्त लोगों द्वारा आसानी से अपनाए जा सकते हैं और समस्या को दूर किया जा सकता हैं।

6. पॉज़िटिव डिवीयंस प्रक्रिया के पाँच चरण

पॉज़िटिव डिवीयंस लागू करते समय ध्यान दिए जाने वाले बिंदु इस प्रकार हैं-

ध्यान दें

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता PD टूल को लागू करते समय निम्न बिंदुओं पर ध्यान दें–

- PD टूल को अच्छे से समझ लें।
- PD टूल को चरणबद्ध तरीक़े से क्रियान्वित करें।
- PD प्रक्रिया पर काम करने के लिए सुनना और अवलोकन करना दो ज़रूरी कदम हैं।
- PD चरणों के क्रियान्वयन के दौरान दिए गए दिशानिर्देशों का पालन करें इससे PD टूल के उपयोग में मदद मिलेगी।
- प्रत्येक चरण की जानकारी से सम्बंधित प्रारूप दिया गया है जो प्रक्रिया को करने और उसका रिकार्ड संधारित करने में मदद करेगा।
- PD टूल के चरणों की प्रगति का लिखित रिकार्ड रखें।
- PD टूल का उपयोग करते समय किसी भी तरह के पूर्वाग्रहों से बचें।
- व्यक्ति/ परिवारों के पास ख़ाली गिलास की तरह जाए और खुले दिमाग़ से उनके व्यवहारों को जानने का प्रयास करें।

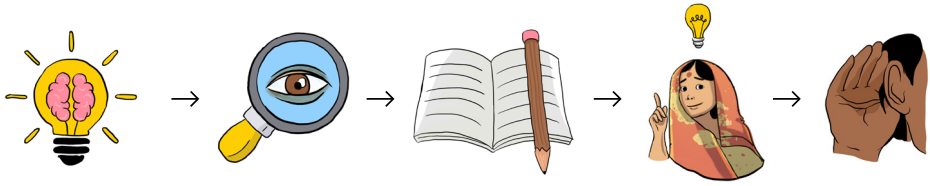

पॉज़िटिव डिवीयंस के पाँच चरण

नीचे दिए पाँच चरणों के द्वारा पॉज़िटिव डिवीयंस के टूल/तरीक़े को लागू किया जा सकता हैं-

चरण- 1 समस्या चुनना और अपेक्षित परिणाम निर्धारित करना

चरण- 5 प्रगति को मापना और परिणामों का मूल्यांकन करना

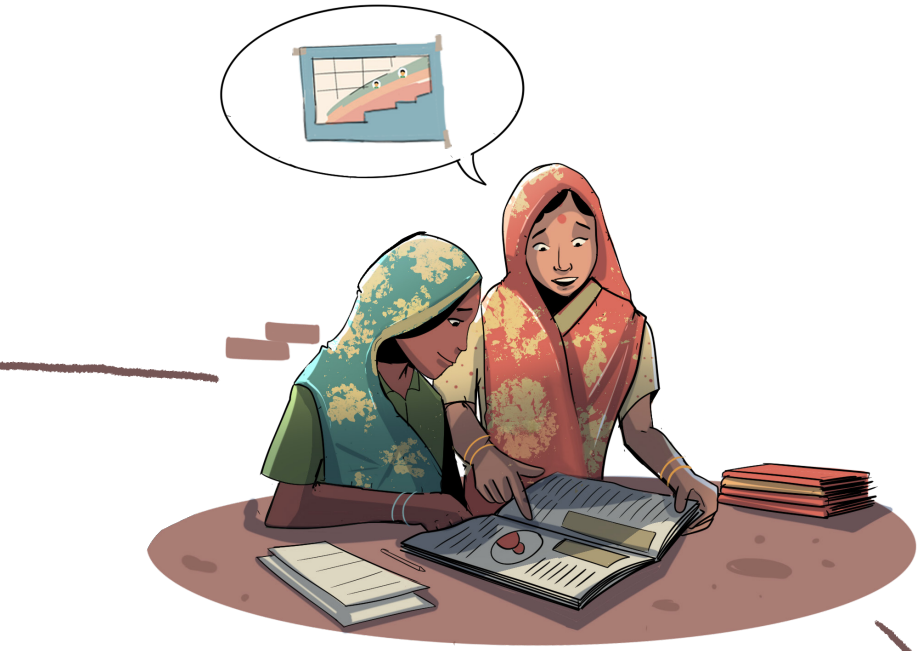

चरण- 2 PD व्यक्ति या समूह/परिवार का चिन्हांकन करना

चरण- 3 PD व्यक्ति या समूह/परिवार के अनकॉमन और सकारात्मक व्यवहारों को खोजना।

चरण- 4 सकारात्मक व्यवहारों को दूसरों द्वारा अपनाये जाने हेतु योजना बनाना

7. आइए जानते है कि पॉज़िटिव डिवीयंस पर चरणबद्ध तरीक़े से कैसे काम करें

चरण- 1 समस्या और अपेक्षित परिणाम तय करना–

(क) चरण- 1 की प्रक्रिया

इस पहले चरण में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अपने कार्यक्षेत्र की उस समस्या का चुनाव करेगी जिसके लिए वह PD टूल का उपयोग करना चाहती हैं। समस्या चुनते समय ध्यान दें कि आप जिस समस्या को चुन रहीं हैं उससे कई परिवार प्रभावित हो। साथ ही उससे संबंधित संपूर्ण आँकड़े या जानकारी उपलब्ध हो। समस्या चुनते समय आंगनवाड़ी कार्यकर्ता नीचे दर्शाये गये महिला और बाल विकास विभाग के विषयगत क्षेत्रों का भी ध्यान रखें।

उदाहरण के तौर पर आंगड़वाड़ी कार्यकर्ता PD टूल का उपयोग निम्नलिखित समस्या एवं विषयों पर कर सकती हैं।

पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता	बाल संरक्षण	महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण
• पहले 1000 दिन: -गर्भावस्था के दौरान देखभाल -स्तनपान कराने वाली माँ की -देखभाल -स्तनपान -पूरक आहार • बच्चों का पोषण (2-6 वर्ष) • प्रतिरक्षण और विटामिन-खनिज अनुपूरण • एनीमिया की रोकथाम • कुपोषण की रोकथाम और प्रबंधन • पानी और स्वच्छता • शाला पूर्व शिक्षा • स्कूल वापसी (11-14 वर्ष की आयु की लड़कियां) • मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता प्रबंधन	• बच्चों के खिलाफ दुर्व्यवहार और हिंसा को समाप्त करना • CNCP (Children in Need of Care and Protection) बच्चों की ज़रूरत, देखभाल और संरक्षण सुनिश्चित करना • कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चों को परामर्श एवं पुनर्वास • बाल-विवाह की रोकथाम • बच्चों द्वारा नशीले पदार्थों के सेवन की रोकथाम	• लैंगिक समानता • महिलाओं के विरूद्ध हिंसा की रोकथाम • महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण

(ख) चरण- 1 का उदाहरण

समस्या चुनने के बाद आंगनवाड़ी कार्यकर्ता चुनी गई समस्या पर काम करने से मिलने वाले अपेक्षित परिणामों को लिखेगी।

उदाहरण

उदाहरण के लिए यदि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता **"किशोरियां नियमित रूप से IFA की गोलियाँ नहीं खाती हैं"** पर काम करने का निर्णय लेती है तो निम्नानुसार अपेक्षित परिणाम परिभाषित किए जा सकते हैं:

चरण- १ समस्या और अपेक्षित परिणाम तय करना

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अपने द्वारा चुनी गई समस्या व अपेक्षित परिणाम को इस प्रारूप में लिखे-

समस्या

किशोरियाँ नियमित IFA की गोलियाँ नहीं खाती हैं।

अपेक्षित परिणाम

गाँव में IFA गोलियों के नियमित सेवन करने वाली किशोरियों की संख्या में वृद्धि हुई।

नोट– रिकॉर्ड भरने के लिए PD वर्कबुक देखें।

(ग) PD के पहले चरण पर काम करने के लिए क्या करें और क्या ना करें

✓ क्या करें	✗ क्या ना करें
ऐसी समस्या को ही चुने जिससे **संबंधी उपलब्ध संपूर्ण आँकड़े/** जानकारी हो।	ऐसी समस्या ना चुने जो आपके क्षेत्र में नहीं है।
एक बार में **एक समस्या को लेकर PD टूल** पर काम करें।	इस बात का ध्यान रखें कि बहुत जटिल समस्या लेकर PD प्रक्रिया पर काम करने की शुरुआत ना करें।
कार्यकर्ता ऐसी समस्या को चुने जिस पर काम करने में वह सहज महसूस करती हो और उस समस्या पर काम करने की दक्षता रखती हो।	
PD टूल पर काम करने के लिए समस्या चुनने में सरपंच, शिक्षक, आशा व अन्य सेवा प्रदाता आदि से भी चर्चा कर सकते हैं।	

चरण- 2 PD व्यक्ति या समूह/परिवार का चिन्हांकन–

(क) चरण- 2 की प्रक्रिया

इस चरण में आपके द्वारा चुनी गई समस्या से जुड़े उपलब्ध आँकड़े या जानकारी को इकट्ठा करना होगा। उपलब्ध आँकड़े या जानकारी से आपको पता चलेगा कि ऐसे कौन से व्यक्ति या परिवार हैं जहाँ यह समस्या नहीं है तो वही आपके PD व्यक्ति या परिवार होंगे।
PD व्यक्ति/परिवार का चिन्हांकन करते समय ध्यान रखें कि–

- जहां समस्या सबसे अधिक है उन्हीं के बीच में से PD व्यक्तियों या परिवारों का चिन्हांकन हो।
- PD व्यक्ति/ परिवार की और समस्या से जूझ रहे व्यक्तियों या परिवारों की सामाजिक व आर्थिक परिस्थितियाँ एक जैसी हो।
- एक से अधिक PD परिवार हो सकते हैं।
- यह ज़रूरी नहीं है कि PD परिवार एक आदर्श परिवार हो जिसने अधिकांश अपेक्षित सकारात्मक व्यवहारों को अपनाया हो।

(ख) चरण- 2 का उदाहरण

उदाहरण

आपकी मदद के लिए PD व्यक्ति या परिवार के चिन्हांकन का उदाहरण:

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की मदद के लिए PD परिवार की पहचान के कुछ आधार उदाहरण के तौर पर दिए जा रहे हैं, जिनमें PD परिवार की पहचान के कई और आधार जोड़े जा सकते हैं। इस प्रकार PD परिवार को परिभाषित किया जा सकता हैं।

समस्या: बच्चों में कुपोषण

PD परिवार की पहचान के आधार हो सकते हैं-

- ऐसे परिवारों को खोंजे जिनके बच्चे सुपोषित व स्वस्थ है। वृद्धि निगरानी रजिस्टर से 5 से 6 महीने की अवधि का आँकड़ा देखें और हरे रंग में आने वाले बच्चों की पहचान करें।
- इससे आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को पता चलेगा कि ऐसे कौनसे परिवार है जिनके बच्चे हरे रंग में है और जो नियमित अपने बच्चे की वृद्धि निगरानी के लिए आंगनवाड़ी केंद्र में आते है।
- अब देखें कि ऐसे परिवार जिन्हें आपने चिन्हांकित किया है क्या वे वहाँ रहते है जहां बच्चों में कुपोषण की समस्या सबसे ज़्यादा है।
- यदि चिह्नांकित बच्चा उस समुदाय से नहीं है जहां यह समस्या सबसे ज़्यादा है तो दुबारा वृद्धि निगरानी रजिस्टर देंखे और ऐसे बच्चे का चिन्हांकन करें जो हरे रंग में है और उसका घर समस्या से जूझ रहे परिवारों के बीच हैं।
- अन्य

समस्या: किशोरियां नियमित IFA की गोलियाँ नहीं खाती हैं।

PD परिवार की पहचान के आधार हो सकते हैं-

- ऐसे परिवारों को खोंजे जिनके बच्चे सुपोषित व स्वस्थ है। वृद्धि निगरानी रजिस्टर से 5 से 6 महीने की अवधि का आँकड़ा देखें और हरे रंग में आने वाले बच्चों की पहचान करें।
- इससे आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को पता चलेगा कि ऐसे कौनसे परिवार है जिनके बच्चे हरे रंग में है और जो नियमित अपने बच्चे की वृद्धि निगरानी के लिए

आंगनवाड़ी केंद्र में आते है।

- अब देखें कि ऐसे परिवार जिन्हें आपने चिन्हांकित किया है क्या वे वहाँ रहते है जहां बच्चों में कुपोषण की समस्या सबसे ज़्यादा है।
- यदि चिह्नांकित बच्चा उस समुदाय से नहीं है जहां यह समस्या सबसे ज़्यादा है तो दुबारा वृद्धि निगरानी रजिस्टर देंखे और ऐसे बच्चे का चिन्हांकन करें जो हरे रंग में है और उसका घर समस्या से जूझ रहे परिवारों के बीच हैं।
- अन्य

इस प्रकार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता PD व्यक्तियों / परिवारों को परिभाषित कर विभिन्न आँकड़ों व जानकारियों से सत्यापित कर PD व्यक्ति/परिवार की पहचान करें ।

नोट– रिकॉर्ड भरने के लिए PD वर्कबुक देखें।

(ग) PD के दूसरे चरण पर काम करने के लिए क्या करें और क्या ना करें

✓ क्या करें

PD व्यक्तियों /परिवारों का चिन्हांकन करने के लिए सभी संभव उपलब्ध आँकड़े/ जानकारियों का उपयोग करें जैसे स्कूल रजिस्टर, रिकॉर्ड, आशा के पास उपलब्ध रिकॉर्ड, ए एन एम के पास उपलब्ध रिकॉर्ड, अन्य सेवा प्रदाता के पास उपलब्ध आँकड़े/ जानकारियाँ आदि।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता PD परिवार का चिन्हांकन करते समय संबंधित व्यक्तियों जैसे शिक्षक, पंचायत प्रतिनिधि, सेवा प्रदाता से चर्चा करें।

✗ क्या ना करें

PD व्यक्तियों /परिवारों का चिन्हांकन करने में जल्दबाज़ी ना करें।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अपनी धारणा व पूर्वाग्रह के आधार पर PD परिवार का चयन ना करें। बल्कि उपलब्ध आँकड़े/जानकारियों का उपयोग करें।

चरण- 3 अनकॉमन और सकारात्मक व्यवहारों की खोज–

(क) चरण- 3 की प्रक्रिया

चरण तीन में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उन परिवारों में गृह भ्रमण करेगी जिसे PD व्यक्ति/परिवार के रूप में चिह्नांकित किया है। PD प्रक्रिया के इस चरण में उन सकारात्मक और अनकॉमन व्यवहारों के बारे में जानना है जिनको अपनाकर PD परिवार समस्या के बाहर निकला है।

- PD परिवार के घर जाने से पहले उनसे पूछे जाने वाले सवालों और अवलोकन के बिंदुओं की सूची तैयार कर लें।
- अनकॉमन और सकारात्मक व्यवहार को जानने के लिए परिवार के साथ कम से कम 1 से 1:30 घंटे का समय बिताने का प्रयास करें तथा व्यक्ति/ परिवार की सुविधानुसार समय लेकर उनके घर जाएँ।
- समस्या को ध्यान में रखते हुए यदि आपको परिवार के किसी सदस्य से व्यक्तिगत रूप से बातचीत करना हो तो उसकी सुविधा को ध्यान में रख कर मिलने का समय तय करें।
- यह ज़रूरी नहीं है कि एक ही बार में आप सकारात्मक/ अनकॉमन व्यवहारों का पता लगा पायेंगे।
- बातचीत शुरू करने से पहले PD प्रक्रिया का उद्देश्य बताएँ और उनकी सहमति लें।

- परिवार के सदस्यों का हालचाल पूछें उसके बाद यह कहें कि हमारे आस पास के परिवार समस्या से ग्रसित है पर आपने समस्या को दूर किया है और हम आपसे सीखने आये हैं।
- क्या, कैसे, क्यों जोड़ते हुए खुले प्रश्न पूछें ताकि जवाबकर्ता को विस्तार से बोलने का मौक़ा मिले ।
- कुछ समय शांत बैठकर परिवार के सदस्यों के क्रिया कलापों का अवलोकन करें।
- अवलोकन करते समय उन व्यवहारों को खोजे जो बिना किसी अतिरिक्त संसाधन के अपनाए जा सकते हैं।
- अपेक्षित व्यवहारों के अलावा कुछ अन्य/अलग व्यवहारों को खोजें।
- सजग रहें। जो कहा नहीं गया है उसको समझने का प्रयास करें।
- स्वयं कम बोलें और उन्हें बोलने के लिए प्रोत्साहित करें ।
- मुख्य चर्चा व अवलोकन के बिंदुओं को संक्षिप्त में लिख लें ताकि बाद में लिखते समय मदद मिले।

ध्यान दें

सकारात्मक/ अनकॉमन व्यवहार को खोजने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को निम्न दक्षताओं का उपयोग करना होगा–

- ध्यान से सुनना।
- खुले प्रश्न पूछना।।
- सहयोगी और सहज माहौल बनाना।
- पूर्वाग्रह (किसी व्यक्ति व विषय के बारे में पूर्व में बनायी गयी सोच/ अवधारणा) से बचें और खुले दिमाग़ से व्यवहारों का अवलोकन करना।
- सजग रहना।

PD व्यवहार (अनकॉमन और सकारात्मक व्यवहार) का पता लगाने के लिए, जांच करने वाले सवाल पूछें, जैसे-

- आपने कहा कि आपने यह काम किया; आप उसे कैसे कर पाए?
- अधिकांश लोगों को ये समस्याएँ (समस्या का नाम लेकर पूछें) होती हैं; आपने उन्हें कैसे दूर किया है?
- बहुत से लोग हमें बताते हैं कि व्यस्त दिनचर्या, सीमित संसाधन, अधिक खर्च, समुदाय की परंपराओं या रीति-रिवाजों के कारण समस्या (समस्या का नाम लेकर पूछें) को दूर करना कठिन होता है। मुझे यह जानना था कि आपने इन बाधाओं या चुनौतियों को कैसे दूर करते हैं?
- आप व्यवहारों को अपनाने में आने वाली सामान्य चुनौतियों और बाधाओं को कैसे दूर करते हैं?
- क्या आप हमें दिखा सकते हैं कि कैसे?
- जब समस्या (समस्या का नाम लेकर पूछें) होती है या आप विशेष प्रकार की चुनौती (उन चुनौतियों के बारे में पूछें, जिसका सामना करने में अधिकांश लोगों को परेशानी होती है) का सामना करते हैं, तो आप क्या करते हैं?
- प्रतिभागियों को उन्होंने सुना या समझा को दोहराने के लिए प्रोत्साहित करें: "तो, यदि मैं सही से समझा/झी हूँ, आप दिन के समय केवल X करते हैं) रात के समय या दिन के दौरान आप Y को कभी नहीं करते हैं।
- क्या आप आपके जैसे दूसरे व्यक्ति/परिवारों को जानने है?

(ख) PD परिवार के घर जाने से पहले उनसे पूछे जाने वाले और अवलोकन किये जाने वाले सवालों का उदाहरण

ध्यान दें

इन प्रश्नों को अवश्य पूछें–

- क्या मैं आपसे सवाल पूछ सकती हूँ?
- क्या आप मेरे सवालों का जवाब देना चाहेंगे?
- इस सवाल का जवाब कौन देना चाहेगा?
- उत्तर को दोहराकर उसकी पुष्टि करें जैसे यदि मैं सही समझ पायी हूँ तो आपने ये कहा-
- अधिक जानने के लिए पूछे कि इसके बारे में विस्तार के बताए ?
- अधिकांश लोग इस समस्या को दूर करने में चुनौती महसूस कर रहें हैं आपने इसे कैसे दूर किया?
- हम आपसे कैसे सीख सकते हैं?

उदाहरण

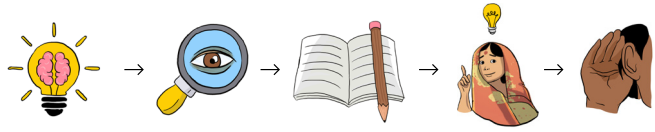

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता समस्या के अनुसार पूछे जाने वाले सवालों की सूची बनायें।

यह सवालों और अवलोकन की सूची कुपोषण की समस्या को दूर करने के लिए चिंहांकित PD परिवार के घर गृह भ्रमण को ध्यान में रख कर तैयार की गयी है जिसमें और भी सवाल जोड़े जा सकते हैं–

परिवार की सामान्य जानकारी

पिता का नाम: .....
आयु: .....
व्यवसाय: .....
काम का स्थान: गाँव/ बाहर? .....
मां का नाम: .....
आयु: .....
व्यवसाय: .....
काम का स्थान: गाँव/ बाहर? .....
अगर मां बाहर काम कर रही है, तो बच्चे का ध्यान कौन रखता है?
क्या बच्चा मां के साथ गया है: हाँ/ नहीं? .....

किशोरी/ बच्चे का नाम: .....
आयु: .....
लिंग: .....
जन्म क्रम: .....
वर्तमान वजन: .....
पोषण ग्रेड: .....

देखभालकर्ता के बारे में जानकारी (मां के अलावा): .....
लिंग: .....
किशोरी/ बच्चे से संबंध: .....

परिवार की प्रतिदिन की आय .....

.....

.....

घर की सामान्य जानकारी से संबंधित अवलोकन के बिंदु

1. घर और रसोई की साफ-सफ़ाई से संबंधित: .....
2. भोजन और पीने के पानी के रखरखाव से संबंधित: .....
3. शौचालय और उसके उपयोग संबंधी: .....
4. परिवार के सदस्यों की व्यक्तिगत स्वच्छता से संबंधित बिंदुओं पर भी अवलोकन करें।

.....

बच्चे से संबंधित अवलोकन व सवाल के बिंदु

बच्चे के भोजन सम्बन्धी:

1. बच्चे के आहार संबंधित: .....
2. आहार की उपलब्धता संबंधित: .....
3. बच्चे की भोजन की आदतों संबंधित: .....

अन्य: .....

बच्चे के स्वास्थ्य व स्वच्छता से संबंधित:

1. बच्चे की कुछ महीनों की स्वास्थ्य की स्थिति संबंधित: .....
2. बच्चे के टीकाकरण की स्थिति संबंधित: .....
3. बच्चे की साफ़ सफ़ाई से संबंधित: .....

अन्य: .....

बच्चे की देखभाल से संबंधित:

1. परिवार के सदस्यों द्वारा बच्चे की देखभाल संबंधित: .....
2. बच्चे के साथ परिवार वालों के व्यवहार संबंधित: .....

अन्य: .....

(ग) PD के तीसरे चरण पर काम करने के लिए क्या करें और क्या ना करें

✓ क्या करें

- PD व्यक्ति/ परिवार से समय लेकर जाएँ।
- PD व्यक्ति/ परिवार को इस प्रक्रिया को करने का उदेश्य अवश्य बताएँ।
- आराम आराम से प्रश्न पूछें साथ में अवलोकन भी करते रहें। सकारात्मक/अनकॉमन व्यवहारों को जानने का प्रयास करें जो बिना आर्थिक संसाधनों के समस्या को दूर करने में मददगार है।
- PD परिवार के सभी सदस्यों से चर्चा करें ताकि सभी के विचार और व्यवहारों को जाना जा सकें।
- खुले दिमाग़ से PD परिवार में जाए और उनसे ज़्यादा से ज़्यादा सीखें।
- PD व्यक्ति/परिवार में सकारात्मक/ अनकॉमन व्यवहार का पता लगाने में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सक्रिय किशोरी बालिका/ महिला , CRP (जिस गाँव में हो) का सहयोग ले सकती है।
- चर्चाओं व अवलोकनों को नोट करते रहें और फ़ोटो भी अवश्य लें। फोटो खींचने से पहले उनकी सहमति अवश्य लें।
- PD परिवार को अपना समय देने के लिए उनका धन्यवाद करें।

✗ क्या ना करें

- लगातार प्रश्न ना पूछें। थोड़ा रुकें उन्हें अपनी बात बोलने का पूरा अवसर दें।
- ये ना सोचें की एक ही भ्रमण में आप सभी सकारात्मक व्यवहार पता लगा लेंगे।
- PD व्यक्ति/ परिवार पर अपने विचार ना थोपें।
- सुझाव न दें बल्कि उनके विचारों और व्यवहारों को देखें और सुनें।

चरण- 4 सकारात्मक व्यवहारों को दूसरों द्वारा अपनाये जाने की योजना–

(क) चरण- 4 की प्रक्रिया

सबसे पहले चौथे चरण की शुरुआत में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता चरण ३ से निकले सकारात्मक/प्रभावी/अनकॉमन व्यवहारों को व्यवस्थित रूप से क्रम में लिख लें। क्रम से लिखते समय ध्यान दें कि व्यवहार ऐसे हों जो दूसरे परिवार आसानी से अपना सकें। उसके बाद इन व्यवहारों को दूसरों तक पहुँचाने के लिए योजना बनाये।

(ख) चरण- 4 का उदाहरण

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सकारात्मक/ अनकॉमन व्यवहारों को दूसरों तक पहुँचाने की योजना इस प्रारूप की मदद से बनायें-

उदाहरण

PD व्यवहारों को दूसरों तक पहुँचाने के लिए योजना का प्रारूप-उदाहरण के साथ

समस्या: किशोरियाँ नियमित IFA की गोलियाँ नहीं खाती हैं।

अपेक्षित परिणाम- गाँव में IFA के नियमित सेवन करने वाली किशोरियों की संख्या में वृद्धि

सकारात्मक/अनकॉमन व्यवहार-

- किशोरी नियमित स्कूल जाती है।
- किशोरी को IFA के सेवन के लाभ पता है।
- किशोरी रात के खाने के बाद IFA खाती है और साथ में खट्टा भी खाती है।
- किशोरी नियमित आंगनवाड़ी केंद्र पर जाती है।
- किशोरी अपने पोषण के प्रति जागरूक है।
- परिवार में महिलाओं के पोषण के बारे में बातचीत होती है।
- माँ हमेशा बेटी को IFA खाने की याद दिलाती है।
- पिता अपनी बेटी के स्वास्थ्य पर ध्यान देता है।

गतिविधि 1

ग्राम पंचायत से IFA का नियमित सेवन करने वाली किशोरियों को सम्मानित करवाना

कहाँ करेंगे:

पंचायत भवन

कब करेंगे:

22/ 01/ 2024

किसके साथ करेंगे:

सीता सिंह पिता राधे श्याम

सत्यापन और फ़ॉलो अप कैसे करेंगे

स्कूल रजिस्टर के डेटा से

किसकी मदद की ज़रूरत होगी

सरपंच, शिक्षक, PD व्यक्ति/ परिवार

गतिविधि 2

PD किशोरी को किशोरी की बैठक में आमंत्रित करना।

कहाँ करेंगे:

आंगनवाड़ी केंद्र

कब करेंगे:

प्रत्येक किशोरी बैठक के दिन

किसके साथ करेंगे:

किशोरी बालिकाओं के साथ

सत्यापन और फ़ॉलो अप कैसे करेंगे

आंगनवाड़ी में होने वाली प्रत्येक बैठक में प्रगति पर चर्चा करके

किसकी मदद की ज़रूरत होगी

आशा व अन्य सेवा प्रदाता

गतिविधि 3

आंगनवाड़ी केंद्र में होने वाली बैठक में PD परिवार को आमंत्रित करके उनके अनुभव बाँटना।

कहाँ करेंगे:

आंगनवाड़ी केंद्र

कब करेंगे:

प्रत्येक मंगल दिवस के दिन

किसके साथ करेंगे:

परिवार

सत्यापन और फ़ॉलो अप कैसे करेंगे

गृह भ्रमण के दौरान अवलोकन करके

किसकी मदद की ज़रूरत होगी

आशा कार्यकर्ता

गतिविधि 4

गृह भ्रमण के दौरान सकारात्मक व्यवहारों को अन्य किशोरियों / परिवार तक पहुँचाना।

कहाँ करेंगे:

परिवारों में

कब करेंगे:

गृह भ्रमण के दौरान

किसके साथ करेंगे:

किशोरी समूह व परिवारों के सदस्यों के साथ

सत्यापन और फ़ॉलो अप कैसे करेंगे

सकारात्मक व्यवहार अपनाने में मदद करके

किसकी मदद की ज़रूरत होगी

समुदाय के अन्य सक्रिय सदस्य, शौर्य दल, किशोरी क्लब।

गतिविधि 5

स्कूल में किशोरियों को सम्मानित करना।

कहाँ करेंगे:

स्कूल में

कब करेंगे:

स्कूल के समय

किसके साथ करेंगे:

सारे विद्यार्थियों के साथ

सत्यापन और फ़ॉलो अप कैसे करेंगे

सकारात्मक व्यवहार अपनाने में मदद करके

किसकी मदद की ज़रूरत होगी

किशोरी समूह व शिक्षक

(ग) PD के चौथे चरण पर काम करने के लिए क्या करें और क्या ना करें

✓ क्या करें

- योजना अपने रोज़ के काम के साथ जोड़ कर बनायें।
- योजना के क्रियान्वयन में पंचायत, शिक्षक, PD परिवार, आशा, CRP (जिस गाँव में हो) व अन्य सहयोगी लोगों की मदद लें।
- योजना बनाकर बड़े चार्ट में लिखकर आंगनवाड़ी केंद्र की दीवार पर लगायें ताकि आप उसे रोज़ देख सकें।
- अपनाए जाने योग्य उपायों पर विशेष ध्यान दें।

✗ क्या ना करें

- यदि व्यक्ति/परिवार अपना नाम उजागर नहीं करना चाहता है तो सिर्फ़ उनके द्वारा अपनाए व्यवहारों को प्रचारित करें। (घरेलू हिंसा या नशे की लत से उभरे PD व्यक्ति/परिवारों की ऐसी इच्छा हो सकती है)।
- चरण 3 के बाद चरण 4 करने में अधिक समय का अंतराल ना रखें।

चरण- 5 प्रगति को मापना और परिणामों का मूल्यांकन–

(क) चरण- 5 की प्रक्रिया

यह PD प्रक्रिया का पाँचवा व अंतिम चरण है जो PD प्रक्रिया के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के द्वारा किए गए प्रयासों के परिणाम जानने में मदद करता है। इस चरण में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता PD प्रक्रिया से निकले सकारात्मक/ / अनकॉमन व्यवहारों को दूसरों तक पहुँचाने के लिए उठाए कदम/ गतिविधियों की प्रगति को मापेगी तथा उससे निकले परिणामों को देखेगी/ नोट करेगी।

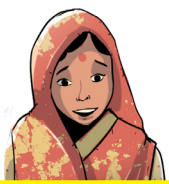

ध्यान दें

एक समस्या पर काम हो जाने के बाद PD तरीक़े से दूसरी समस्या को लेकर काम किया जा सकता है।

(ख) चरण- 5 का उदाहरण

प्रगति को मापना और परिणामों का मूल्यांकन करने का विस्तृत प्रारूप वर्कबुक में देखें-

उदाहरण

PD व्यवहारों को दूसरों तक पहुँचाने के प्रयासों की प्रगति और परिणामों का मूल्यांकन इस प्रकार किया जा सकता है-

गतिविधि 1 करने में क्या चुनौतियाँ आईं:

गतिविधि कब पूरी हो पायी:

बदलाव का नियमित फ़ॉलो अप (कैसे और कब करेंगे):

(ग) PD के पाँचवे चरण पर काम करने के लिए क्या करें और क्या ना करें

✓ क्या करें

- आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सकारात्मक व्यवहारों को दूसरे लोगों तक पहुँचाने के लिये किए जा रहे प्रयासों की प्रगति नियमित मापती रहे।
- गृह भ्रमण के दौरान सकारात्मक व्यवहारों को नियमित प्रचारित करें।
- PD टूल को अपने काम का हिस्सा बनायें ताकि महिला एवं बाल विकास के सभी प्रयासों में समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित की जा सके।
- PD व्यक्ति/परिवार को सम्मानित करें और उन्हें भी बदलाव के बारे में बतायें।

✗ क्या ना करें

- प्रगति की माप व परिणामों का मूल्यांकन बिना लिखे ना करें।
- यह चरण आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के काम को प्रोत्साहित करने में मदद करता है। इसे रिपोर्टिंग का बोछ ना समझें।

नोट

नोट

नोट

QR Code

PD tutorial film/ पीडी ट्यूटोरियल फिल्म

Deutsche Gesellschaft für
Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH

A2/18, 4th Floor, Safdarjung Enclave,
New Delhi – 110029 India,
I: www.giz.de